Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) __________________________

   (Name) ____________________________

2. (Signature) __________________________

   (Name) ____________________________

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.____________________________

(In words)

Test Booklet No.

J	0	6	1	0

Time : **2 $^1/_2$** hours] [Maximum Marks : **200**

PAPER-III
HISTORY

Number of Pages in this Booklet : **24** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

HISTORY

इतिहास

PAPER – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I
खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each.

(2 × 20 = 40 marks)

नोट : इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के दो निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है ।

(2 × 20 = 40 अंक)

1. Do you think human evolution and development of Palaeolithic stone tools are complimentary to each other ?
क्या आप समझते हैं कि मानव विकास एवं पुरापाषाणीय औजारों का विकास एक-दूसरे के पूरक हैं ?

OR / अथवा

How did royal women during the Mughal period negotiate for political space ?
मुगल काल में किस प्रकार शाही महिलाओं ने राजनैतिक स्थान प्राप्त करने के लिये प्रयास किया ?

OR / अथवा

Gandhi restrained mass movements yet he retained his popularity among the masses. How would you explain this paradox ?
गाँधी ने जन आन्दोलनों पर अंकुश लगाते हुए भी अपनी लोकप्रियता बनाये रखी । इस विरोधाभास की व्याख्या आप किस प्रकार करेंगे ?

2. Did Ashoka use his Policy of Dhamma as an instrument to administer his empire smoothly ?
क्या अशोक ने अपनी धम्म नीति को अपने साम्राज्य में सुचारू रूप से राज्य करने के लिये एक औज़ार की तरह प्रयोग किया ?

OR / अथवा

Assess the significance of overseas trade in the economy of the Mughal empire.
मुगल साम्राज्य की अर्थव्यवस्था में समुद्र पार व्यापार के महत्त्व का मूल्यांकन कीजिए ।

OR / अथवा

What was more responsible for the downfall of the Maratha power – internal strife or British aggression ?
क्या अधिक उत्तरदायी था मराठा शक्तियों के पतन के लिये – आंतरिक संघर्ष या ब्रिटिश आक्रमकता ?

SECTION – II
खंड – II

This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न है । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I
विकल्प – I

3. Examine the diverse subsistence practices of the Neolithic period.
नवपाषाण काल की विभिन्न आजीविका पद्धतियों का परीक्षण कीजिए ।

4. Discuss the changes of the Indian society during the Kushana period.
कुषाण काल के भारतीय समाज के परिवर्तनों की विवेचना कीजिए ।

5. Explain the economic conditions of the Post-Kushan period.
कुषाणोत्तर काल की आर्थिक परिस्थितियों को स्पष्ट कीजिए ।

OR / अथवा

Elective – II
विकल्प – II

3. Discuss the salient features of Indo-Islamic architectures during Sultanate period.
सल्तनत काल के दौरान इण्डो-इस्लामिक वास्तुकलाओं की मुख्य विशेषताओं की विवेचना कीजिए ।

4. What were the limitations on the growth of merchant capital in Mughal India ?
मुगल भारत में वणिक पूँजी के विकास की परिसीमाएँ क्या थीं ?

5. What was the nature of Maratha resistance to the Mughals after the death of Shivaji ?
शिवाजी की मृत्योपरांत मुगलों के प्रति मराठों के प्रतिरोध का क्या स्वरूप था ?

OR / अथवा

Elective – III
विकल्प – III

3. Discuss the nature of the tribal movements in the nineteenth century India.
उन्नीसवीं शताब्दी के भारत में जनजातीय आन्दोलनों के स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।

4. Trace the various phases through which Muslim Communalism passed from 1906 to 1940.
1906 से 1940 के मध्य मुस्लिम सम्प्रदायवाद के विभिन्न चरणों की चर्चा कीजिए ।

5. To what extent did the socio-religious reform movements contribute to the emancipation of women in the nineteenth century. Discuss.
किस सीमा तक उन्नीसवीं शताब्दी के सामाजिक और धार्मिक आन्दोलनों ने स्त्रियों की मुक्ति में योगदान किया ? व्याख्या कीजिए ।

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न है । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Assess the significance of literary sources for writing ancient Indian history.
प्राचीन भारतीय इतिहास लेखन में साहित्यिक स्रोतों के महत्त्व का आकलन कीजिए ।

7. Write on the position of women during the Gupta period.
गुप्त काल में स्त्रियों की स्थिति पर लिखिए ।

8. Examine the main features of the Dravida style of temple architecture.
द्रविड़ शैली की मन्दिर निर्माण कला के विशेष गुणों का परीक्षण कीजिए ।

9. Who were Qalandars ?
कलंदर कौन थे ?

10. Which section of the Zamindars was characterised as Zortalab by the Mughals ?

जमींदारों के किस भाग को मुगल शासकों ने ज़ोरतलब कहा ?

11. Explain the dadni system during the Mughal period.

मुगल काल में दादनी व्यवस्था की व्याख्या कीजिए ।

12. Explain the 'Drain Theory' of Dadabhai Naoroji.

दादाभाई नौरोजी के धन निकासी विचार को स्पष्ट कीजिए ।

13. State the basic features of the policy of non-alignment.

गुट-निरपेक्षता नीति के मुख्य लक्षणों को बताइए ।

14. Do you agree with the view that 'all history is contemporary' ?

क्या आप इस मत से सहमत हैं कि 'सभी इतिहास समसामयिक है' ?

SECTION – IV

खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

There has been a debate for a long time, certainly since Bernier (travels, 1656-68), as to whether the Mughal empire was a state in the same sense as contemporary European states. Bernier believed that while European states had as their main function the protection of private property, in India, and indeed in Asia in general, the sovereign being himself the proprietor, the destruction of all private property appeared to be the chief function of the state. To this he attributed all the ills from which the Asian economies and societies suffered, notably the intense oppression committed by those whose own capacity to extort was only temporary, since it was derived from the sovereign who might deprive them of it any moment. Although the Mughal sovereign did not actually make the claim to universal landownership attributed to him by Bernier and others, the size of the land tax was indeed such as to absorb the larger part of the surplus. The practical result was that for tax collection purposes alone the state had to acquaint itself with conditions of agriculture in detail and attempt its improvement, a situation that had no parallel in contemporary European states, these tasks being performed there by the large estate owners. Marx, therefore, perceived in the Mughal empire a system of 'Asiatic despotism', based on tax rent, which was essentially different from the laissez-faire state principally because of its concern for protection of agriculture by irrigation and other means. Yet

we must remember that outside the fiscal system the Mughal state interfered little with the structure of property rights subsisting on secondary claims to the agrarian surplus, or with urban property and commerce.

दीर्घ काल से वाद-विवाद चल रहा है, निश्चित ही बर्नियर (भ्रमण, 1656-68) के समय से, कि क्या मुगल साम्राज्य उसी अर्थ में राज्य था जैसे कि समकालिक यूरोपीय राज्य । बर्नियर का मानना था कि जबकि यूरोपीय राज्यों के पास मुख्य कार्य निजी संपत्ति का संरक्षण करना है, भारत में और निश्चित ही सामान्यतया एशिया में, शासक क्योंकि खुद ही स्वामी होता है, तमाम निजी सम्पत्ति का नाश ही राज्य का मुख्य कार्य प्रतीत होता है । इस बात को उन्होंने सब बुराइयों का श्रेय दिया जिनसे कि एशियाई अर्थव्यवस्थाएँ और समाज भुगत रहे हैं, विशिष्ट रूप से उन लोगों के द्वारा तीव्र उत्पीड़न जिनकी बलात् खींचने की अपनी क्षमता सिर्फ अस्थायी है, क्योंकि यह शासक से ली गई है और वो किसी भी क्षण पर उन्हें इससे वंचित कर सकता है । यद्यपि मुगल शासक ने, वास्तव में सार्वभौमिक भूस्वामित्व पर अधिकार का दावा नहीं किया जिसका श्रेय बर्नियर एवं अन्य द्वारा दिया गया था, भू कर का आकार वास्तव में इतना था कि अतिरेक का बड़ा हिस्सा अवशोषित कर सकता था । व्यावहारिक परिणाम यह था कि अकेले कर एकत्रित करने के उद्देश्य के लिए, राज्य को कृषि की स्थितियों के साथ विस्तार से अवगत होना पड़ता था और उसके सुधार का प्रयत्न करना पड़ता था । यह वो स्थिति है जिसका समकालीन यूरोपीय राज्यों में कोई तुल्य नहीं था, वहाँ यह कार्य सम्पदा स्वामियों द्वारा किए जाते थे । इसलिए मार्क्स ने, मुगल साम्राज्य में, कर लगान पर आधारित 'एशियाटिक डेसपोटिज्म' (एशियाई स्वेच्छाचारिता) की व्यवस्था को देखा, जो कि मुक्त या अबंधता राज्य से अनिवार्यत: भिन्न थी, मुख्यत: इस कारण कि कृषि का सिंचाई व अन्य द्वारा संरक्षण से उसका सरोकार रहता था । फिर भी, हमें स्मरण रखना चाहिए कि मुगल साम्राज्य ने राजकोषीय व्यवस्था से बाहर सम्पत्ति अधिकारों के ढाँचे के साथ कम हस्तक्षेप किया । उस समय सम्पत्ति अधिकार कृषि सम्बंधी अतिरेक के गौण अधिकारों पर जीवित रहते थे, या नगरीय सम्पत्ति एवं वाणिज्य पर अधिकारों के साथ जीवित थे ।

15. State Bernier's perception of the Mughal state.
मुगल राज्य के सम्बन्ध में बर्नियर की क्या समझ थी ?

16. What difference Bernier saw between European states and the Mughal empire ?
बर्नियर ने यूरोपीय राज्यों और मुगल साम्राज्य में क्या अन्तर देखा ?

17. According to the author what was the role of Mughal state in agricultural production ?
लेखक के अनुसार मुगल राज्य की कृषि उत्पादन में क्या भूमिका थी ?

18. Author quotes Marx to lay emphasis on which aspect of the Mughal empire ?
लेखक ने मार्क्स का उद्धरण मुगल राज्य के किस स्वरूप के ऊपर बल देने के लिए किया है ?

19. Give author's view on the nature of property rights of the Mughal state in land.
मुगल राज्य में भू संपत्ति अधिकारों के स्वरूप के सम्बन्ध में लेखक का क्या विचार है ?

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....